>

Title: Need for extending reservations in services for SCs, STs and OBCs.

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, मैंने पहले भी कहा है।...(व्यवधान) पहले अभी जो कोल ब्लॉक के बारे में बोला गया है, मैं उससे सहमत हूं। मगर, मैं आपसे एक कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान के 80 फीसदी लोगों का, कांस्टीट्यूशन बेंच ने पूरी तरह से हक समाप्त कर दिया है और वह निर्णय आज लागू हो गया। एम्स ओडीशा, पटना में, भुवनेश्वर में और रायपुर में, चारों तरफ रिजर्वेशन के बारे में जो फैसला दिया था सुप्रीम कोर्ट की कांस्टीट्यूशन बेंच ने, अल्तमतस कबीर ने, वह फैसला लागू हो गया और सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है।...(व्यवधान) पहले सरकार ने जवाब दिया था कि हम इन्द्रा साहनी केस के निर्णय को मानेंगे। आपने जवाब दिया था कि इसके चलते कोई नुकसान वीकर सेक्शन्स का, कमजोर तबकों का नहीं होगा। एससी, एसटी, ओबीसी, इन सारे लोगों का पूरी तरह से रिजर्वेशन सी और डी में कर दिया गया।...(व्यवधान) ऐसा तमाशा हो रहा है और सरकार ...(व्यवधान)

SHRI DINESH TRIVEDI (BARRACKPUR): The price of diesel must be brought down. It is hitting farmers; it is hitting the poorest of the poor....(*Interruptions*)

श्री शरद यादव : कमलनाथ जी, यह जवाब आपका अभी तक नहीं आया है। आपकी सरकार ने कहा था कि आठ दिन में इसको ठीक करेंगे।...(व्यवधान) क्यों नहीं आपने इसको ठीक किया? क्यों नहीं इसका जवाब दिया?...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): मैडम, यह बहुत गंभीर मामला है। ...(व्यवधान)

SHRI T.R. BAALU: The Prime Minister should not attend the CHOGM being held in Sri Lankaâ€¦...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Do you want to associate?

...(*Interruptions*)

श्री शरद यादव : अब क्यों जवाब नहीं दे रही है सरकार? आपने कहा था कि नोटिस निकालेंगे, ...(व्यवधान) इन्द्रा साहनी केस का निर्णय सात न्यायाधीशों की बेंच का है। यह निर्णय पांच न्यायाधीशों की बेंच का है। ...(व्यवधान) आप क्या चाहते हैं? 80 फीसदी लोगों को संविधान ने जो हक दिया है, उसे क्यों छीनना चाहते हैं? क्यों उसे खत्म करना चाहते हैं? ...(व्यवधान) क्यों नहीं आप लोग बोलते हैं? ...(व्यवधान) सरकार पूरी तरह से क्यों नहीं बोलती?...(व्यवधान) मैंने प्रधानमंत्री जी को लिखा, कपिल सिब्बल से बात की, उन्होंने कहा कि आठ दिन में इसको ठीक करेंगे।...(व्यवधान) अध्यक्ष जी, यह कोई मामूली बात नहीं है। ...(व्यवधान) हम लोग यहां शान्त नहीं बैठेंगे।...(व्यवधान) इस तरह का मामला होगा, तो आप जान लीजिए, आज सदन में यह बात उठ रही है, क्यों देश भर में बवाल करना चाहते हैं।...(व्यवधान) देशभर में लोग आज क्यों बेचैन हैं? इसलिए आपसे मेरी विनती है कि इसके बारे में कैटेगॉरिकल जवाब आना चाहिए।...(व्यवधान)

DR. SANJAY JAISWAL (PASCHIM CHAMPARAN): Madam, I would like to associate with the matter raised by Shri Sharad Yadav ji.

.....(Interruption)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, आज हमारे सामने एक गम्भीर समस्या खड़ी हो गई है। आरक्षण खत्म करने के बजाए हमें आरक्षण बढ़ाओ की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। आज हमारे सामने मुद्दा स्पष्ट हो गया है कि 'आरक्षण बचाओ और आरक्षण बढ़ाओ।' ...(व्यवधान) आरक्षण खत्म करने के लिए यह एक बड़ा गहरा षडयंत्र रचा जा रहा है। जो उपेक्षित और दलित वर्ग हैं, पिछड़े वर्ग के लोग हैं, आदिवासी हैं, उनकी उपेक्षा करके देश कैसे चल सकता है। अगर इस तरह से भेदभाव किया जाएगा तो आपस में दूरियां बढ़ेंगी और हमें देश को एक साथ लेकर चलने में मुश्किल होगी।...(व्यवधान) इस तरह का फैसला जो न्यायालय से आया है, सर्वदलीय बैठक में सिब्बल साहब ने कहा था कि हम प्रस्ताव लाएंगे और सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को रद्द करेंगे। ...(व्यवधान) लेकिन आज 3 तारीख हो गई है और वर्तमान सत्र के सिर्फ तीन दिन शेष हैं। अब यह सदन तो ऐसे ही चलता है।...(व्यवधान) मेरी मांग है सरकार से कि सर्वदलीय बैठक में सिब्बल साहब ने जो वादा किया था कि हम प्रस्ताव लाएंगे और सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को रद्द करेंगे। हमारी अपील है कि सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। ...(व्यवधान) उस सर्वदलीय बैठक में सभी राजनैतिक दलों के लोग थे, जहां मंत्री जी ने यह वादा किया था। इसलिए उस वादे को सरकार पूरा करे और न्यायालय के उस फैसले को रद्द करके आरक्षण को बचाना चाहिए। नहीं तो हमें इसके लिए पूरे देश में लड़ाई लड़नी पड़ेगी कि 'आरक्षण बचाओ और आरक्षण बढ़ाओ।' ...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): अध्यक्ष जी, अभी कुछ दिन पहले एम्स के बहाने पूरे हिन्दुस्तान में रहने वाले जो दलित हैं, शोषित हैं, एससी है, एसटी हैं, ओबीसी को नौकरी से वंचित रखने की साज़िश हुई, जिसे लेकर देश की संसद में सभी राजनैतिक दलों ने और हमारी पार्टी की नेता ने भी इस बात को उठाया था। ...(व्यवधान) इस सवाल को लेकर देश के कानून मंत्री सिब्बल साहब ने कहा था कि संविधान संशोधन विधेयक लाया जाएगा। फिर सरकार इससे क्यों मुकर रही है? ...(व्यवधान) हम कहना चाहते हैं कि यह सरकार साज़िश कर रही है इस देश के 80 फीसदी जो एससी, एसटी और ओबीसी के लोग हैं, उन्हें नौकरियों से वंचित करने की। ...(व्यवधान) इसलिए हम कहना चाहते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री जी सदन में मौजूद हैं, कानून मंत्री जी यहां आकर बयान दें और कहें कि

संविधान संशोधन विधेयक इस सदन में आने वाला है। तब ही हिन्दुस्तान में अमन चैन हो सकता है। इसलिए हम आपके संज्ञान में लाना चाहते हैं कि यह एक गम्भीर मामला है और इस पर गम्भीरता से विचार किया जाए।...(व्यवधान)

SHRI T.K.S. ELANGOVAN (CHENNAI NORTH): Madam Speaker, in some of the Departments like AIIMS, there has been a problem in regard to reservation for SCs, STs and OBCs. The Government had assured that they would bring in a Constitution (Amendment) Bill during this Session itself whereas so far there is no move from the Government side to introduce the Constitution (Amendment) Bill. In this Session, there are only four more days left, but the Government has not so far acted or initiated any move to bring in a legislation to amend the Constitution so that the reservation for SCs and STs is protected. Further, DoPT should issue a fresh Circular so that the reservation percentage, as accepted by the Government, should be included *in toto* and in a proper way. ...(*Interruptions*) The present Notification has many faulty things with which many public sector undertakings are taking advantage. ...(*Interruptions*) Thank you, Madam. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Now, Prof. Saugata Roy.

...(*Interruptions*)

11.16 hrs

At this stage, Shri Gobinda Chandra Naskar and some other hon. Members went back to their seats.